No. of Printed Pages : 2

एम.एच.डी.-1

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

02301

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

एम.एच.डी.-1 : हिन्दी काव्य-1

(आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है । शेष में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) हमारे निर्धन के धन राम ।

चोर न लेत घटत नहिं कबहूँ आवत गाढ़ै काम ।।

जल नहिं बूड़त अगिनि न दाहत है ऐसौ हरि नाम ।

बैकुँठनाथ सकल सुखदाता सूरदास सुखधाम ।।

(ख) हेरी म्हा दरद दिवाणां म्हारां दरद न जाण्याँ कोय ।

घायल री गत घायल जाण्याँ, हिबड़ी अगण सँजोय ।

जौहर की गत जौहर जाण्याँ, क्या जाण्याँ जिण खोय ।
दरद की मारयाँ दर दर डोल्याँ बैद मिल्या णा कोय ।

मीरा री प्रभु पीर मिटाँगा जब वैद साँवरो होय ।।

(ग) भोर तें साँझ लौं कानन ओर निहारति बावरी नेकु न हारति ।
साँझ तें भोर लौं तारनि ताकिबो तारनि सों इकतार न टारति ।।
जौ कहूँ भावतो दीठि परै घनआनंद आँसुनि औसर गारति ।
मोहन सोहन जोहन की लगियै रहै आँखिन कैं उर आरति ।।

(घ) फागु के भीर अभीरन तें गहि गोबिंद लै गई भीतर गोरी ।
भाई करी मन की पद्माकर ऊपर नाई अबीर की झोरी ।
छीन पितंबर कंमर तें सु बिदा दई मीड़ि कपोलन रोरी ।
नैन नचाइ कह्यो मुसकाइ लला फिरि आइयो खेलन होरी ।

2. पृथ्वीराज रासो के काव्य-सौन्दर्य पर विचार कीजिए । *10*

3. विद्यापति के काव्य की विशेषताएँ लिखिए । *10*

4. कबीर के दर्शन के विविध पक्षों की चर्चा कीजिए । *10*

5. कवि के रूप में जायसी का मूल्यांकन कीजिए । *10*

6. भक्ति-आंदोलन के संदर्भ में सूरदास का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए । *10*

7. मीरा की कविता में अभिव्यक्त प्रेम-विह्वलता का चित्रण कीजिए । *10*

8. घनानंद के काव्य-कौशल को रेखांकित कीजिए । *10*